



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रशिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 965]
No. 965]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 11, 2008/आषाढ़ 20, 1930
NEW DELHI, FRIDAY, JULY 11, 2008/ASADHA 20, 1930

मन और रोबमार मंत्रालय
अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 जुलाई, 2008

सं. अ. 1664(अ).—केन्द्रीय सरकार संतुष्ट है कि लोकहित में ऐसा अपेक्षित है कि “प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद” में सेवाओं को जिसे औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम अनुसूची की प्रविधिएँ 12 के अन्तर्गत निर्दिष्ट किया गया है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोक डिपोजी सेवाएँ घोषित किया जाना चाहिए।

अब, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (i) के उप-खण्ड (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए तत्काल प्रधान से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[फा. सं. एस-11017/8/97-आई आर. (पी. एल.)]

एस. कृष्णन, अपर सचिव

MINISTRY OF LABOUR AND EMPLOYMENT
NOTIFICATION

New Delhi, the 11th July, 2008

S.O. 1664(E).—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest so requires that the service in the industry engaged in the “Security Printing Press, Hyderabad” as Public Utility Service for which is covered by item 12 of the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a Public Utility Service for the purposes of the said Act.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of Section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a Public Utility Service for the purpose of the said Act for a period of six months.

[F. No. S-11017/8/97-IR(PL)]

S. KRISHNAN, Addl. Secy.